माननीय राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का सुपर-30 के संस्थापक के अभिनंदन समारोह में उद्‌बोधन

स्थान :- भोपाल, दिनांक 6 अगस्त, 2013 समय :- दोपहर 12:30 बजे

सुपर-30 के संस्थापक श्री आनंद कुमार के अभिनंदन समारोह में उपस्थित होकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। मैं श्री आनंद कुमार के सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की कामना करता हूं। संस्था के पदाधिकारियों और छात्रछात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने अपने गुरू और संस्थापक का अभिनंदन करने का अनुकरणीय कार्य किया है। जो छात्र या संस्थाएं अपने गुरूओं और संस्थापकों का सम्मान करती हैं वही जीवन में उच्च स्थान प्राप्त करते हैं और सफलता प्राप्त करते हैं।

वर्तमान समय में छात्र-छात्राओं को शिक्षा के साथ तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगारोन्मुखी ज्ञान की महती आवश्यकता है। देश के हर नौजवान को शिक्षित करके ही, हम देश का चहुंमुखी विकास कर सकते हैं। शिक्षा बच्चों को सुसंस्कृत और सभ्य बनाने का प्रभावी अस्त्र है। मैं छात्रों से कहना चाहता हूं कि वे शिक्षा के द्‌वारा अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करें और अपने साथियों और आस-पास के लोगों को नैतिकता के प्रति जागरूक करें।

महाविद्‌यालयों में इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से छात्रों और शिक्षकों में परस्पर मेल-मिलाप और आपसी संवाद और समन्वय का अवसर मिलता है। वहीं छात्रों में अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आदर की भावना जागृत होती है।

वर्तमान में मध्यप्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में जिस तेजी से विकास के मार्ग पर अग्रसर है उसको दृष्टिगत रखते हुए नई पीढ़ी के जीवन में समृद्‌धि लाने और उनको रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके लिए शिक्षक और शिक्षण संस्थायें छात्र-छात्राओं को उचित संसाधन उपलब्ध करायें और मार्गदर्शन दें।

मध्यप्रदेश के हृदय स्थल में स्थित भोपाल शहर आज शिक्षा का एक बड़ा केन्द्र (हब) बन गया है। यहां स्थापित आई.ई.एस शिक्षा समूह इस दिशा में बहुत सकारात्मक प्रयास पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कर रहा है। इसके अतिरिक्त अपने सामाजिक दायित्व के प्रति सजग रहते हुए इस समूह ने अनेक अनूठे कार्य किये हैं। जिनमें एक गांव को गोद लेकर वहां के बच्चों की शिक्षा और उसके निवासियों को स्वरोजगार हेतु सहायता देना तथा स्कूली बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए स्कूली स्तर पर संगीत और नृत्य प्रतियोगिता के आयोजन सराहनीय हैं।

शिक्षा के क्षेत्र में श्री आनंद कुमार ने नि:स्वार्थ योगदान दिया है। उससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर उन्हें जो ख्याति प्राप्त हुई है उससे पूरा मध्यप्रदेश गौरवान्वित है। हम उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। श्री आनंद कुमार का जन्म एक जनवरी 1973 को पटना में हुआ। गणित में गहरी रूचि रखने वाले श्री आनंद कुमार को केम्ब्रिज विश्वविद्यालय में प्रवेश की पात्रता थी लेकिन धन के अभाव में वे वहां नहीं जा सके। इसी से प्रभावित होकर उन्होंने शिक्षा से वंचित प्रतिभावान छात्रों को नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने का अनुकरणीय कदम उठाया है। उन्होंने 2002 में समाज के कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए जो आई.आई.टी प्रवेश परीक्षा के लिए समक्ष नहीं थे उनकी सहायता हेतु सुपर-30 की स्थापना की। इसके द्वारा वे आर्थिक रूप से कमजोर 30 प्रतिभावान छात्रों को अपने परिसर में कोचिंग के माध्यम से न केवल समुचित तैयारी कराते हैं अपितु उनका प्रवेश भी सुनिश्चित करते हैं। उसके लिए मैं उनको साधुवाद देता हूं।

श्री आनंद कुमार द्वारा समाज के कमजोर वर्ग के छात्रों की शिक्षा,दीक्षा और उनके लिए भोजन आदि की व्यवस्था करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है जो स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जायेगा। उनके इस पुनीत कार्य के लिए आज उन्हें अनेक सम्मानों से विभूषित किया गया है। उनकों सम्मानित करते हुए मैं स्वयं अपने आप को सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

मैं आई.ई.एस. समूह के अध्यक्ष इंजीनियर बी.एस.यादव को तथा उनकी सहधर्मिणी एवं शिक्षा समूह की ग्रुप डायरेक्टर प्रो. सुनीता सिंह को हार्दिक बधाई देता हूं।

मैं एक बार पुन: आप सबका आभार प्रकट करता हूं कि आपने इस गरीमामय समारोह में मुझे शामिल होने का अवसर प्रदान किया।

जय हिन्द।